पाठ 14. क्यों-क्यों, कैसे-कैसे

पाठ का उद्देश्य

कुछ लोगों की आदत सवाल पर सवाल पूछने की होती है। कभी-कभी जिज्ञासा के कारण इस तरह के सवाल पूछे जाते हैं तो कभी दूसरों को परेशान करने के लिए। इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि इस तरह दूसरों को परेशान करने के उद्देश्य से किए जाने वाले काम का परिणाम बुरा होता है।

पाठ का सारांश

दो दोस्त थे – क्योंजीमल और कैसलिया। दोनों को बात-बात पर सवाल पूछने की आदत थी। एक दिन उनकी मुलाकात गुरु जी से हो जाती है। वह गेहूँ पिसवाने के लिए चक्की पर जा रहे थे। क्योंजीमल और कैसलिया गुरु जी से सवाल पर सवाल पूछकर उन्हें परेशान कर देते हैं। गुरु जी बड़ी मुश्किल से उन दोनों से अपना पीछा छुड़ाते हैं। अगले दिन गुरु जी की मुलाकात उनके परमप्रिय शिष्य रामपाल से होती है। गुरु जी ने रामपाल को सारा किस्सा सुना दिया। रामपाल जब क्योंजीमल और कैसलिया से मिला तो उन दोनों की बातों ही बातों में लाठी से खूब पिटाई की। हो सकता है बिना वजह सवाल करने की उनकी आदत छूट गई हो!

अध्यापन संकेत

बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। बच्चों से पूछें –

- क्या उन्हें भी इस तरह सवाल पूछने की आदत है। यदि वे भी सवाल पर सवाल करते हों तो उन्हें समझाएँ कि इस तरह बार-बार प्रश्न पूछने से कोई परेशान भी हो सकता है, इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।